एहो आस मेरी अरदास मेरी (बावा जी दी अरदास)

एहो आस मेरी अरदास मेरी
(बावा जी दी अरदास)

धुन: कहिके जै माता दी तुरया जावीं भेंट पर

एहो आस मेरी, अरदास मेरी, शरणी लावीं।
दर ते आए हां बिगड़ी बनावीं ।।

पूजा पाठ कथा सिमरन सेवा,
हाज़रियां लेखे ला लवीं देवा।
अवगुण चित न धरी, भुल्लां माफ करीं,
ना ठुकरावीं - दर...

लाज रखीं ते पैज निभावीं,
बुरिया कमाँ तों सानूं बचावीं।
बल बुद्धि ज्ञान दी, जगत कल्याण दी,
भिखिया पावीं - दर...

सब दे मन दी आस पुचावीं,
दर्शन देवो ते ठंड वरतावीं ।
विघन विकार हरीं, दुःखड़े दूर करीं,
मौज़ां लावीं - दर...

सच्ची जोत सच्चा तेरा द्वारा,
सानूं लगदा 'मधुप' बड़ा प्यारा ।
ममता दी छां करीं, हथ सिर ते धरीं,
मान वधावीं - दर...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) (महोत्रा महाजन) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36930/title/eho-aas-meri-arsas-meri-bava-ji-di-ardaas

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |